जे0 के0 पद्मपत सिंघानियॉ इंस्ट्ीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी
भोंडसी, दमदमा लेक रोड, गुड़गॉव

प्रेस विज्ञप्ति

''परिवर्तन का सामना करने के लिए अपने को तैयार रखें युवा'' –*पूर्व आर्मी चीफ*

''कारगिल' की याद ताजा कर भावुक हो उठे जनरल मलिक

जे0के0पी0एस0 में गेस्ट लेक्चर ''लीडरशिप एण्ड कारगिल वार –माई एक्सपीरियंस'' विषय पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल वी0 पी0 मलिक ने किया मैनेजमेंट छात्रों को सम्बोधित ।

गुड़गॉव । दिनांक 25 अगस्त 2009 । ''परिवर्तन प्रकृति का शास्वत नियम है जो आज है वह कल नहीं रहेगा और यह परिवर्तन आकस्मिक है जो हमें बताकर नहीं आता और अचानक आने वाले इस परिवर्तन से सामना करने के लिए हमें अपने को तैयार रखना चाहिए''। यह उदगार आज दमदमा लेक रोड स्थित **जे0 के0 पद्मपत सिंघानियॉ इंस्ट्ीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी** में एक गेस्ट लेक्चर के दौरान मैनेजमेंट छात्रों से रूबरू होते हुए देश के पुर्व सेना अध्यक्ष जनरल वी0 पी0 मलिक ने व्यक्त किए। उन्होंने अपने जीवन का अनुभव बताते हुए युवा प्रबंधको का आहावान किया कि किसे पता था कि हमें कारगिल युद्ध का सामना करना पड़ेगा क्योंकि भारत एक शांतिप्रिय देश है और आज तक हमने किसी दूसरे देश पर युद्ध नहीं किया वल्कि हमेशा हम पर ही युद्ध थोपा गया, लेकिन हमारी सेना ने इसकी तैयारी पहले से ही कर रखी थी जिसके परिणामस्वरूप हमने पाकिस्तान की सेना का मुँहतोड़ जबाव दिया और विजय हासिल की। उन्होंने तरक्की करने के लिए जरूरी ''लक्ष्य'' निर्धारण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हमें आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य बहुत जरूरी है बिना लक्ष्य के हम सफलता कभी नहीं पा सकते। उन्होंने कहा कि अचानक शुरू हुए कारगिल युद्ध में लोगों ने मुझसे कहा था कि यह जंग जीतना आसान काम नहीं है लेकिन हमारा एक लक्ष्य पहले से ही तय था और हमने जीत हासिल की। इस अवसर पर वह शीर्ष पर पहुंचने के लिए अपनी जीवनसंगिनी की अहम भूमिका का वर्णन करना नहीं भूले । उन्होंनें वहां उपस्थित अपनी धर्मपत्नी डा0 रंजना मलिक की भूमिका की महत्ता अपनी तरक्की के मार्ग में विपरीत परिस्थितियों में भी हर पल साथ रहीं और उत्साहवर्धन किया जिससे वह विश्व की सबसे बड़ी सैन्य ताकतों में से एक भारतीय सेना के अध्यक्ष पद तक पहुंच सके। जनरल मलिक ने रणभूमि एवं कर्मभूमि में टीम भावना के महत्व का उल्लेख करते हुए भावी युवा प्रबंधको को समूह में काम करने एवं अपने अधीनस्थों को प्रेरित करते हुए लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग में टीम भावना को मील का पत्थर बताया। उन्होने अचानक आई कामकाज एवं कार्यालयी कार्यशैली में बदलाव की निंदा करते हुए कहा कि आफिस में लोग केवल एसएमएस एवं ई मेल करके ही काम चलाते हैं इसीलिए वे जमीनी हकीकत से दूर अनजान रहते हैं, यह जरूरी है कि हम सबसे व्यक्तिगत तौर पर भी मिलें और आमने सामने बैठकर हकीकत से रूबरू हों। उन्होंनें युवा प्रबंधको का आहावान करते हुए कहा कि ''कुर्सी पर कम बैठो'' ''चलना सीखो'' उन्होंने अपने सैन्य अनुभव को बताते हुए कहा कि 'One visit to ground is equal to 1000 visits on the Map'. उन्होंने एक अच्छे लीडर के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अच्छा लीडर वहीं बन सकता है जो विपरीत परिस्थितियों पर भी अपने लक्ष्य पर अडिग रहता है और विचलित नहीं होता। अच्छे चरित्र पर विशेष बल देते हुए उन्होंने कहा कि हमें देश सेवा सर्वोपरि की भावना से काम करते हुए सबसे पहले देश उसके बाद अपने अधीनस्थ और सबसे बाद में अपने बारे में सोचना चाहिए। कारगिल युद्ध में शहीद हुए परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांण्डे एवं कैप्टन विक्रम बत्रा में वह देश के प्रति मर मिटने की भावना ही थी जिससे वह दुश्मनों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए लेकिन भारत के सम्मान को ठेस नहीं लगने दी । जहॉ भी काम करें देश को सर्वोपरि रखें तभी हम एक अच्छे देश सेवक एवं लीडर बन सकते हैं । उन्होंने कहा कि वह इन बहादुरों के आज भी कायल हैं। एक अच्छे लीडर को अपने आस पास हो रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करते रहना चाहिए और हमेशा नवीन ज्ञान प्राप्त करने की पिपासा भी होनी चाहिए क्योंकि जागरूकता के अभाव में कभी कभी गलत निर्णय भी लेने पड़ जाते हैं, गीता का उदद्धरण करते हुए उन्होंने कहा कि 'ज्ञान से बडा कोई नहीं होता' अतः हमें नवीन ज्ञान प्राप्त करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। उन्होंने अपने इर्द गिर्द हो रहे सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं तकनीकी परिवर्तनों के प्रति हमेशा सजग रहने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि आज कारपोरेट सेक्टर में कार्यशैली में आए बदलाव के फलस्वरूप टीम भावना का तेजी से पतन हुआ है जबकि सेना में टीम भावना से ही काम किया जाता है।

अपने लेक्चर के समापन के पश्चात उन्होंने कैम्पस परिसर में वृक्षारोपण की शुरूआत एक पौधा लगाकर किया। उन्होंने जे0 के0 ग्रुप के निदेशक एवं संस्थान के चेयरमैन श्री गोविंद हरि सिंघानिया एवं संस्थान की डायरेक्टर जनरल डा0 रीना रामचन्द्रन द्वारा संस्थान में चलाई जा रही शैक्षिक गतिविधियों की सराहना की।

इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी डा0 रंजना मलिक, के अलावा संस्थान के चेयरमैन श्री गोविंद हरि सिंघानिया , डायरेक्टर जनरल डा0 रीना रामाचंद्रन, जे0के0पी0एस0 के डायरेक्टर डा0 संजीव मारवाह , सभी प्राध्यापकगण एवं छात्र मौजूद थे।

जनसम्पर्क अधिकारी
जे0 के0 पी0 एस0 गुड़गांव, दूरभाष : 01242266471, 9717773134